University in News on 31 May 2025

JAGRAN CITY PAGE III

लविः विधि की पढ़ाई...विशिष्टता का पैमाना

अखिल सक्सेना • जागरण

लखनऊ : देश की राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश, राज्यपाल और मुख्यमंत्री देने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय देशभर में अपनी इसी 'विशिष्टता' के लिए जाना जाता है। अपने पूर्व छात्रों एवं शैक्षिक उपलब्धियों की वजह से इस संकाय ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क और इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क जैसी प्रतिष्ठित रैंकिंग में प्रमुख स्थान बना रखा है। यहां एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलएम के साथ यहां एलएलबी इंटीग्रेटेड (पांच वर्षीय) संचालित है। कोर्स कंटेंट और अच्छी तैयारी की वजह से इसका क्रेज इतना अधिक है कि एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में मात्र 160 सीटों पर हजारों दावेदार होते हैं। ऐसे में 12वीं के बाद कानून के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो यह अच्छा विकल्प हो सकता है। जानिए यहां की विशेषताएं--

लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय

पढ़ाई के साथ विदेशी भाषा भी

प्रो. विनीता कचार बताती हैं कि भारत सरकार की ओर से लागू नए कानून जैसे भारतीय सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को कोर्स में पढ़ाया जाता है। विद्यार्थियों को नए दंड के प्रविधान, साइबर क्राइम, आइटी एक्ट से लेकर साक्ष्य के लिए एआइ की भूमिका बताते हैं। वैल्यू एडेड कोर्स में विदेशी भाषा के रूप में जर्मन और फ्रेंच सिखाते हैं ताकि विदेश में अवसर मिल सकें।

विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह बताते हैं, 'तीन वर्षीय एलएलबी, एलएलएम और 12वीं उत्तीर्ण के लिए एलएलबी इंटीग्रेटेड हमारा प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम है। प्रवेश के प्रथम तीन दिन तक इंडक्शन क्लास चलाते हैं, ताकि शिक्षक और विद्यार्थी एक दूसरे से परिचित हों। कोर्स के बाद उनका प्लेसमेंट कहां हो सकता है ? कैसे पढ़ना है? ये बताते हैं। कोर्स में 70 प्रतिशत थ्योरी और 30 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन (नवीनतम मामलों पर टेस्ट, उपस्थिति-वायवा, प्रोजेक्ट) पर अंक दिए जाते हैं। इंटीग्रेटेड कोर्स के पहले सेमेस्टर में विभिन्न विषयों के साथ ला का सिर्फ एक पेपर होता है ताकि विद्यार्थियों पर भार न पड़े।

मूट कोर्ट से सिखाते हैं न्यायालय की कार्यवाही

पहले सेमेस्टर से ही मूट कोर्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को न्यायालय की कार्यवाही के बारे में सिखाते हैं। हर साल एक इंटर्नशिप भी अनिवार्य है, जिसके लिए विद्यार्थियों को उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, अधिवक्ता या मानवाधिकार आयोग, विधिक सेवा प्राधिकरण आदि के यहां सीखने के लिए भेजा जाता है। प्रो बीनी वलद, लीगल एड प्रोग्राम के तहत लिटरेसी प्रोग्राम के माध्यम गांव ले जाकर लोगों से परिचित कराते हुए व्यावहारिक समस्याओं से रूबरू कराते हैं। स्कूलों व जेल के दौरे से भी छात्र काफी कुछ सीखते हैं।

ये रहे विधि संकाय के प्रमुख अनमोल रत्न

- डा. शंकर दयाल शर्मा, पूर्व राष्ट्रपति
- जस्टिस एएस आनंद, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट
- जस्टिस ए आर मसूदी, वरिष्ठ न्यायाधीश, लखनऊ बेंच, इलाहाबाद हाई कोर्ट
- पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड
- ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
- सुरजीत सिंह बरनाला, पूर्व राज्यपाल, तमिलनाडु
- हरीश रावत, पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड
- राम कृष्ण हेगड़े, पूर्व मुख्यमंत्री, कर्नाटक
- यशवंत सिंह परमार, पूर्व मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

विश्वविद्यालय का इन्होंने बढ़ाया मान

प्रो. राजकुमार सिंह ने बताया कि यहां के छात्र व शिक्षक रहे प्रोफेसर अवतार सिंह की एक दर्जन से ज्यादा किताबें दुनिया के हर विश्वविद्यालय में पढ़ाई जाती हैं। पूर्व शिक्षक एसके कपूर की अंतरराष्ट्रीय विधि, आर सी निगम की क्रिमिनल ला की किताबें सुप्रीम कोर्ट तक जजमेंट में कोट की जाती हैं। पूर्व प्रो. आरयू सिंह ने नेपाल का संविधान में अहम योगदान रहा।

एक नजर में विधि संकाय

- विधि संकाय की स्थापना : वर्ष 1921
- एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स की शुरुआत : वर्ष 1921
- पहले संकाय अधिष्ठाता : जगमोहन नाथ चक
- 1934 में एलएलएम की पहली डिग्री दी गई : डा. वीएन शुक्ला
- 1965 में एलएलडी की पहली डिग्री दी : एपी मारकोस
- एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स की शुरुआत : 1995
- विधि संकाय में शिक्षक : 56
- विद्यार्थी : दो हजार
- एनआइआरएफ रैंक 2024 : देश 23वां स्थान
- आइआइआरएफ रैंक : देश में 25वां, यूपी में पहला, उत्तर भारत में दूसरा स्थान

160 मात्र सीटों पर एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में हजारों दावेदार होते हैं

लवि अपनी शैक्षिक गुणवत्ता, प्लेसमेंट और रैंकिंग की वजह से लगातार आगे बढ़ रहा है। बीते कुछ समय से विश्वविद्यालय में एलएलबी इंटीग्रेटेड और पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य प्रोफेशनल कोर्सों की मांग बढ़ी है। खास बात ये है कि रेगुलर कोर्सों में हमारी मांग कम भी नहीं हुई। इसके कई कारण हो सकते हैं। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छी पढ़ाई, सुविधाएं व प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराना है।

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

'आदिवासी छात्रों में भाषायी बाधाओं का है संघर्ष'

जासं • लखनऊः लवि के समाजशास्त्र विभाग व राम मनोहर लोहिया चेयर के तत्वावधान में 'एकीकरण व बहिष्कार के बीच भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक समावेशन पर पुनर्विचार' विषयक व्याख्यान हुआ। टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज गुवाहाटी के निदेशक प्रोफेसर जगन्नाथ अंबागुड़िया ने कहा कि आदिवासी नेता अक्सर पार्टी संरचनाओं के भीतर स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सक्षम नहीं होते। रोजगार आरक्षण ने मुख्य रूप से निचले स्तर की नौकरियों को लाभांवित किया है। पहले की अपेक्षा साक्षरता दर में सुधार भी हुआ, लेकिन आदिवासी छात्र सांस्कृतिक और भाषाई बाधाओं की वजह से संघर्ष करना जारी रखते हैं। भूमि अलगाव, प्रवास, संसाधनों पर संघर्ष और भूमि जोतों के घटते आकार जैसे समकालीन मुद्दे आदिवासी समूहों को कचोटते हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

ग्रुप कमांडर पुनीत ने बढ़ाया मनोबल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनसीसी लखनऊ के ग्रुप कमांडर पुनीत श्रीवास्तव ने शनिवार को 64 व 63 यूपी बटालियन एनसीसी का निरीक्षण किया। उन्होंने कैडेट्स के साथ संवाद किया और उनका मनोबल बढ़ाया। (संवाद)

जनजातीय समावेशन पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में राम मनोहर लोहिया शोध पीठ के तत्वावधान में एकीकरण और बहिष्कार के बीचः भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक समावेशन पर पुनर्विचार पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), गुवाहाटी के कैंपस डायरेक्टर और स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज के सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज के प्रोफेसर जगन्नाथ अम्बागुड़िया रहे। उन्होंने राजनीतिक वैज्ञानिक सुधा पाई के कार्यों का संदर्भ देकर आदिवासी जीवन की जटिलताओं को समझने में समुदाय-विशिष्ट दृष्टिकोणों के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू व विभाग के अन्य शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे। (संवाद)

आईएमएस की मेजबानी करेगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष के अंत में इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी (आईएमएस) का 91वां वार्षिक अधिवेशन होगा। यह निर्णय कुलपति और आईएमएस पदाधिकारियों के बीच शुक्रवार को एक बैठक में लिया गया। स्थानीय आयोजन सचिव गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. विवेक सहाय ने बताया कि 91वां वार्षिक अधिवेशन 26 से 29 दिसंबर तक होगा। इस दौरान पांच स्मृति व्याख्यान होंगे, जिनमें प्रतिष्ठित श्रीनिवास रामानुजन स्मृति व्याख्यान भी शामिल है। सम्मेलन में तीन प्लेनरी व्याख्यान होंगे, जिनमें विदेशी वक्ता शामिल होंगे। गणित के विविध क्षेत्रों में हाल की प्रवृत्तियों पर आधारित छह संगोष्ठियां होंगी। इसके अलावा गणित को अधिक सहज बनाने पर विशेष सत्र होगा। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

हिन्दुस्तान प्रतिभा सम्मान समारोह आज, मेधावियों को मिलेंगे मेडल

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। हिन्दुस्तान प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 में मेधावियों का सम्मान होगा। 31 मई शनिवार को होने वाले समारोह में तीनों बोर्ड यूपी बोर्ड, सीबीएसई और सीआईएससीई बोर्ड के मेधावियों को सम्मान मिलेगा। सीआईएससीई, सीबीएसई और यूपी बोर्ड में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह निरालानगर में रामकृष्ण मठ के निकट स्थित होटल रेग्नेंट में आयोजित किया गया है।

मेधावियों को शनिवार सुबह 10 बजे से होटल रेग्नेंट में पहुंचना होगा। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय और डीएम विशाख जी होंगे। डीएम मेधावी बच्चों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन करेंगे। हिन्दुस्तान प्रतिभा सम्मान समारोह का मकसद युवाओं को आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। ऐसा मंच देना है जहां आगे की पढ़ाई के लिए अवसरों की जानकारी हो सके। विशेषज्ञ बताएंगे कि 12वीं के बाद आगे कॅरियर के कौन-कौन से अवसर हो सकते हैं। विशेषज्ञ टीम यहां छात्रों की काउंसिलिंग के लिए उपस्थित रहेगी। काउंसिलिंग से बच्चों को आगे का सफर तय करने में आसानी होगी। मेडल और प्रमाणपत्र ही नहीं छात्रों को उपहार जीतने का मौका भी मिलेगा। प्रतिभा सम्मान समारोह में आने वाले बच्चे लकी ड्रा में शामिल हो सकते हैं। लकी ड्रा में जीतने वाले बच्चों को आकर्षक उपहार भी भेंट किए जाएंगे। यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई 10वीं और आईएससी 12 वीं में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले बच्चे शामिल हो सकते हैं।

विशाख जी, डीएम

प्रो.आलोक, वीसी, एलयू

- जिलाधिकारी विशाख जी मेधावियों को करेंगे सम्मानित
- एलयू के कुलपति प्रो. आलोक राय बढ़ाएंगे बच्चों का उत्साह

- मेधावियों को मेडल और प्रमाण पत्र दिये जाएंगे सम्मान समारोह में
- सीआईएससीई, सीबीएसई, यूपी बोर्ड के मेधावी होंगे सम्मानित

हमारे सहयोगी

महर्षि यूनिवर्सिटी, सेंचुरियन डिफेंस अकादमी, बीबीडी यूनिवर्सिटी, हुंडई, एमिटी यूनिवर्सिटी, आकाश इंस्टीट्यूट मैक लखनऊ और केनरा बैंक

क्यूआर कोड स्कैन करें

समारोह में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण किया जा सकता है।

75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले मेधावी शामिल किए गए

- मेधावियों को कॅरियर के नए विकल्प बताए जाएंगे

हिन्दुस्तान प्रतिभा सम्मान समारोह 2025

- दिन : 31 मई शनिवार
- समय : सुबह 10 बजे से
- स्थान : होटल रेग्नेंट निराला नगर

एलयू में आईएमएस का 91वां अधिवेशन होगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस वर्ष के अंत में इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी (आईएमएस) का 91वां वार्षिक अधिवेशन होगा। यह निर्णय कुलपति और आईएमएस पदाधिकारियों के बीच शुक्रवार को एक बैठक में लिया गया। स्थानीय आयोजन सचिव गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. विवेक सहाय ने बताया कि 91वां वार्षिक अधिवेशन 26 से 29 दिसंबर, 2025 तक होगा।

आदिवासी समुदाय मूल्यों से निर्देशित होते हैं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग ने राम मनोहर लोहिया शोध पीठ के तत्वावधान में एकीकरण और बहिष्कार के बीच: भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक समावेशन पर पुनर्विचार पर व्याख्यान हुआ। आयोजन में टीआईएसएस गुवाहाटी के कैंपस डायरेक्टर प्रोफेसर जगन्नाथ अम्बागुड़िया ने कहा कि आदिवासी समुदाय अक्सर सामुदायिक मूल्यों से निर्देशित होते हैं।

PIONEER PAGE 3

सामुदायिक मूल्यों द्वारा निर्देशित होते हैं आदिवासी समुदाय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने राम मनोहर लोहिया चेयर के तत्वावधान में शुक्रवार को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज , गुवाहाटी के कैंपस डायरेक्टर और गुवाहाटी के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज के सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज के प्रोफेसर प्रोफेसर जगन्नाथ अम्बागुड़िया ने एक विशिष्ट व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का शीर्षक था एकीकरण और बहिष्कार के बीच: भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक समावेशन पर पुनर्विचार, जिसमें भारत में अनुसूचित जनजातियों के समावेशन को प्रभावित करने वाले ऐतिहासिक और समकालीन ढाँचों की व्यापक और आलोचनात्मक जाँच की गई। प्रोफेसर अंबागुड़िया ने अपने व्याख्यान की शुरुआत राजनीतिक वैज्ञानिक सुधा पाई के कार्यों का संदर्भ देकर की, ताकि आदिवासी जीवन की जटिलताओं को समझने में समुदाय-विशिष्ट दृष्टिकोणों के महत्व पर जोर दिया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि आदिवासी समुदाय अक्सर सामुदायिक मूल्यों द्वारा निर्देशित होते हैं, जिनमें न्यूनतम आंतरिक पदानुक्रम और लिंग भेदभाव के अपेक्षाकृत कम स्तर होते हैं। स्वतंत्रता-पूर्व युग पर चर्चा करते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि आदिवासी समूह ऐतिहासिक रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के प्रति प्रतिरोधी थे, जिसके कारण अंग्रेजों ने 1874 के अनुसूचित जिलों अधिनियम जैसे कानूनों के माध्यम से उन्हें जबरन मुख्यधारा में शामिल करने का प्रयास किया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

लविवि :आदिवासी जीवन की जटिलताओं पर व्याख्यान

लखनऊ (एसएबी)। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में शुक्रवार को एकीकरण और वहिष्कार के बीचः भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक समावेशन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस दौरान टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी के कैंपस डायरेक्टर और टीआई एसएस गुवाहाटी के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज के सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज के प्रो प्रोफेसर जगन्नाथ अम्बागुड़िया ने अपने व्याख्यान की शुरुआत राजनीतिक वैज्ञानिक सुधा पाई के कार्यों का संदर्भ देकर की, ताकि आदिवासी जीवन की जटिलताओं को समझने में समुदाय-विशिष्ट दृष्टिकोणों के महत्व पर जोर दिया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि आदिवासी समुदाय अक्सर सामुदायिक मूल्यों द्वारा निर्देशित होते हैं, जिनमें न्यूनतम आंतरिक पदानुक्रम और लिंग भेदभाव के अपेक्षाकृत कम स्तर होते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि आदिवासी समूह ऐतिहासिक रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के प्रति प्रतिरोधी थे, जिसके कारण अंग्रेजों ने 1874 के अनुसूचित जिलों अधिनियम जैसे कानूनों के माध्यम से उन्हें जबरन मुख्यधारा में शामिल करने का प्रयास किया।

उन्होंने भूमि अलगाव, प्रवास, संसाधनों पर संघर्ष और भूमि जोतों के घटते आकार जैसे समकालीन मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए अपना भाषण समाप्त किया। वर्जिनियस ज़ाक्सा और प्रताप भानु मेहता जैसे विद्वानों का हवाला देते हुए, प्रोफेसर अंबागुड़िया ने आदिवासी समावेशन पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया कि जो सांस्कृतिक पहचान के सम्मान को राजनीतिक सशक्तीकरण और आर्थिक न्याय के साथ संतुलित करता है।

i-NEXT PAGE 7

एलयू में होगा आईएमएस का 91वां अधिवेशन

LUCKNOW: एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और इंडियन मैथमैटिकल सोसायटी यानी आईएमएस के पदाधिकारियों के बीच शुक्रवार को एक बैठक संपन्न हुई. जिसमें यह निर्णय लिया गया कि आईएमएस का 91 वां वार्षिक अधिवेशन 26 से 29 दिसंबर 2025 तक एलयू में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश विदेश के वक्ता शामिल होंगे और गणित को सहज बनाने पर चर्चा करेंगे. इस सत्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं के मन से गणिता का भय दूर करना है.

AMRIT VICHAR PAGE 7

मैथमेटिकल सोसाइटी का सम्मेलन दिसंबर में

कार्यालय संवाददाता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी के पदाधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया गया कि इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी का 91वां वार्षिक अधिवेशन 26 से 29 दिसंबर तक लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन के स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. विवेक सहाय, अध्यक्ष, गणित एवं खगोलविज्ञान विभाग होंगे। सम्मेलन के दौरान पांच स्मृति व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रतिष्ठित श्रीनिवास रामानुजन स्मृति व्याख्यान भी शामिल है। इस सम्मेलन में तीन प्लेनरी व्याख्यान होंगे, जिनमें विदेशी वक्ता शामिल होंगे। गणित के विविध क्षेत्रों में हाल की प्रवृत्तियों पर आधारित छह संगोष्ठियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त गणित को अधिक सहज कैसे बनाएं, खासकर हाई स्कूल व इंटरमीडिएट स्तर पर विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र का उद्देश्य युवाओं में गणित के प्रति भय को दूर करना है। इस सत्र में लखनऊ के प्रतिष्ठित इंटरमीडिएट विद्यालयों के छात्र व शिक्षक भाग लेंगे।

बीएससी प्रयोगिक परीक्षाएं 5 व 6 जून को

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी वनस्पति विज्ञान सेमेस्टर दो, चार और छह की प्रायोगिक परीक्षाएं आगामी 5 व 6 जून को ली जाएंगी। जबकि एमए चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त छात्रों की मौखिक परीक्षा भी 5 व 6 जून को आयोजित की गई है।

AMRIT VICHAR PAGE 7

आदिवासी समुदायों में लिंग भेद कम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

व्याख्यान देते टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. जगन्नाथ अम्बागुडिअ।

- लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का हुआ आयोजन

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग में जनजातियों पर आयोजित कार्यक्रम में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज गुवाहाटी के निदेशक प्रो. जगन्नाथ अम्बागुड़िया ने जनजातीय समावेशन पर विशेष व्याख्यान दिया। राम मनोहर लोहिया चेयर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अम्बागुड़िया एकीकरण और बहिष्कार के बीच भारत में अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक समावेशन पर पुनर्विचार विषय पर अपने विचार रखे।

अंबागुड़िया ने अपने व्याख्यान की शुरुआत राजनीतिक वैज्ञानिक सुधा पाई के कार्यों का संदर्भ देकर की, ताकि आदिवासी जीवन की जटिलताओं को समझने में समुदाय-विशिष्ट दृष्टिकोणों के महत्व पर जोर दिया जा सके। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय अक्सर सामुदायिक मूल्यों द्वारा निर्देशित होते हैं, जिनमें न्यूनतम आंतरिक पदानुक्रम और लिंग भेदभाव के अपेक्षाकृत कम स्तर होते हैं। स्वतंत्रता पूर्व युग पर चर्चा करते हुए कहा कि आदिवासी समूह ऐतिहासिक रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के प्रति प्रतिरोधी थे, जिसके कारण अंग्रेजों ने 1874 के अनुसूचित जिलों अधिनियम जैसे कानूनों के माध्यम से उन्हें जबरन मुख्यधारा में शामिल करने का प्रयास किया।

एनसीसी ग्रुप कमांडर ने लविवि में किया बटालियन का निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एनसीसी के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने 64 व 63 यूपी बटालियन एनसीसी का निरक्षण किया। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पीपीएस चौहान एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव सूबेदार मेजर आशीष सिंह व अन्य पीआई स्टाफ सहित 64 व 63 यूपी बटालियन एनसीसी से जुड़े अन्य इंस्टीट्यूट्स के एनओ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर से हुई, जिसमें कैडेट्स ने अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर ग्रुप कमांडर ने कैडेट्स के साथ संवाद किया तथा उनकी अब तक की उपलब्धियों की सराहना की। यह निरीक्षण कैडेट्स के लिए अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी की बैठक सम्पन्न

आईएमएस का 91वां वार्षिक अधिवेशन 26 से 29 दिसंबर को लविवि में होगा आयोजत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विवि के कुलपति एवं इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी (आईएमएस) के पदाधिकारियों के मध्य आज एक बैठक सम्पन्न हुई। यह निर्णय लिया गया कि आईएमएस का 91वां वार्षिक अधिवेशन 26 से 29 दिसंबर, 2025 तक लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन के स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. विवेक सहाय, अध्यक्ष, गणित एवं खगोलविज्ञान विभाग, होंगे।

सम्मेलन के दौरान पांच स्मृति व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रतिष्ठित श्रीनिवास रामानुजन स्मृति व्याख्यान भी शामिल है। इस सम्मेलन में तीन प्लेनरी व्याख्यान होंगे, जिनमें विदेशी वक्ता शामिल होंगे। गणित के विविध क्षेत्रों में हाल की प्रवृत्तियों पर आधारित छह संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, गणित को अधिक सहज कैसे बनाएं, विशेषतः हाई स्कूल एवं +2 स्तर परह्व विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र का उद्देश्य युवाओं में गणित के प्रति भय (मैथ फोबिया) को दूर करना है। इस सत्र में लखनऊ के प्रतिष्ठित 10+2 विद्यालयों के छात्र व शिक्षक भाग लेंगे।

बैठक म सदस्य प्रो. आलोक कुमार राय कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. एस.एस. खरे, अध्यक्ष, आईएसएस, प्रो. एम.एम. शिकरे, महासचिवआईएसएस, प्रो. बी.एन. वफारे, प्रशासनिक सचिवआईएसएस,प्रो. एम.एम. पवार, कोषाध्यक्ष आईएसएस, प्रो. पंकज जैन, संपादक आईएसएस और प्रो. विवेक सहाय, अध्यक्ष, गणित एवं खगोलविज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने एलयू में एनसीसी बटालियन का निरीक्षण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शक्रवार को एनसीसी लखनऊ के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने 64 व 63 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय का निरक्षण किया। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पी.पी.एस. चौहान, एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) रजनीश कुमार यादव सूबेदार मेजर आशीष सिंह तथा अन्य पीआई स्टाफ सहित 64 व 63 यूपी बटालियन एनसीसी से जुड़े अन्य इंस्टीट्यूट्स के एनओ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर से हुई, जिसमें कैडेट्स ने अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर ग्रुप कमांडर ने कैडेट्स के साथ संवाद किया तथा उनकी अब तक की उपलब्धियों की सराहना की। यह निरीक्षण कैडेट्स के लिए अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ और उनके मनोबल को और अधिक ऊँचाई प्रदान की।